भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या: 296
05 अगस्त, 2022 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

बच्चों में रक्ताल्पता के मामले

***296. श्री राम कृपाल यादव:**
श्री दिनेश चन्द्र यादव:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने 6 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों में रक्ताल्पता के मामलों में 9 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाने वाली राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 की रिपोर्ट का संज्ञान लिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या गुजरात, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, दिल्ली और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में ऐसे बच्चों की संख्या खतरनाक स्तर पर है;
(ग) क्या सरकार का इस संबंध में कोई विशेष कदम उठाने का विचार है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

05 अगस्त, 2022 के लिए लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. 296 के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) और (ख): वर्ष 2019-21 के दौरान, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा कराए गए राष्ट्रीय पारिवारिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के पांचवे दौर के अनुसार, 6 माह से 5 वर्ष तक की आयु के बच्चों में एनीमिया की व्याप्तता 67.1 प्रतिशत है जबकि एनएफएचएस-4 (2015-16) में यह 58.6 प्रतिशत थी। एनएफएचएस-4 और एनएफएचएस-5 के अनुसार 6 माह में 5 वर्ष तक की आयु के बच्चों में एनीमिया की राज्य/ संघ राज्य क्षेत्रवार व्याप्तता **अनुलग्नक** में दी गई है।

(ग) और (घ): भारत सरकार ने छह जनसंख्या समूहों- शिशुओं (6-59 माह); बच्चों (5-9 वर्ष); किशोरियों और किशोरों (10-19 वर्ष); गर्भवती महिलाओं; स्तनपान कराने वाली महिलाओं और प्रजनन वर्ग की महिलाओं (15-49 वर्ष) में जीवन-चक्र दृष्टिकोण अपनाते हुए एनीमिया को कम करने के लक्ष्य के साथ पोषण अभियान के तहत एनीमिया मुक्त भारत (एएमबी) रणनीति लागू की है। एएमबी के तहत एनीमिया के समाधान के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा किए जाने वाले प्रमुख क्रियाकलापों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- प्रोफाइलैक्टिक आयरन और फॉलिक एसिड अनुपूरण।
- कृमिहरण।
- व्यवहार परिवर्तन संचार (बीसीसी) का वर्ष भर गहन अभियान और गर्भनाल को कुछ समय बाद बांधना।
- डिजिटल पद्धतियों से एनीमिया की जांच करना और उपयुक्त समय पर उपचार।
- मलेरिया, हीमोग्लोबिनोपैथी और फ्लोरोसिस पर विशेष ध्यान देते हुए स्थानिकमारी वाले क्षेत्रों में एनीमिया के गैर-पोषणात्मक कारणों का निराकरण करना।
- संबंधित विभाग और अन्य मंत्रालयों के साथ तालमेल और समन्वय।
- स्वास्थ्य परिचर्या प्रदाताओं के क्षमता-निर्माण के लिए एनीमिया नियंत्रण पर राष्ट्रीय उत्कृष्टता और उन्नत अनुसंधान केंद्र को सहभागी बनाना।
- एनीमिया मुक्त भारत डैशबोर्ड का प्रयोग करते हुए राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों में हुई प्रगति पर निगरानी।

अनुलग्नक

एनएफएचएस-5 और एनएफएचएस-4 के अनुसार 6 माह से 5 वर्ष तक की आयु के बच्चों में एनीमिया की व्यापकता का राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार ब्यौरा

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	एनएफएचएस -5 (2019-21)	एनएफएचएस -4 (2015-16)
	भारत	**67.1**	**58.6**
1	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	40	49.0
2	**आंध्र प्रदेश**	**63**	**58.6**
3	अरुणाचल प्रदेश	57	54.2
4	असम	68	35.7
5	**बिहार**	**69**	**63.5**
6	चंडीगढ़	55	73.1
7	छत्तीसगढ़	67	41.6
8	दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	76	82.0
9	गोवा	53	48.3
10	**गुजरात**	**80**	**62.6**
11	**हरियाणा**	**70**	**71.7**
12	हिमाचल प्रदेश	55	53.7
13	जम्मू और कश्मीर	73	53.8
14	**झारखंड**	**67**	**69.9**
15	कर्नाटक	66	60.9
16	केरल	39	35.7
17	लद्दाख	94	91.4
18	लक्षद्वीप	43	53.6
19	**मध्य प्रदेश**	**73**	**68.9**
20	**महाराष्ट्र**	**69**	**53.8**
21	मणिपुर	43	23.9
22	मेघालय	45	48.0
23	मिजोरम	46	19.3
24	नगालैंड	43	26.4
25	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली	**69**	**59.7**
26	ओडिशा	**64**	**44.6**
27	पुद्दुच्चेरी	64	44.9
28	पंजाब	71	56.6
29	राजस्थान	71	60.3
30	सिक्किम	56	55.1
31	तमिलनाडु	57	50.7
32	तेलंगाना	70	60.7
33	त्रिपुरा	64	48.3
34	**उत्तर प्रदेश**	**66**	**63.2**
35	उत्तराखंड	59	59.8
36	पश्चिम बंगाल	**69**	**54.2**

स्रोत: एनएफएचएस-5 और एनएफएचएस -4 की राष्ट्रीय रिपोर्ट; http://rchiips.org/nfhs/index.shtml

*****